व्यवसाय प्रशासन में स्नातक
(बी. बी. ए.)

सत्रीय कार्य
2026

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जनवरी 2026 से 30th दिसम्बर, 2026

द्वितीय सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –**1100 68**

व्यवसाय प्रशासन में स्नातक

(बी. बी. ए.)

सत्रीय कार्य 2026

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि प्रोग्राम गाइड में बताया गया है, आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक ट्यूटर मार्क्ड असाइनमेंट करना होगा । हम आपको BCOC-131, BCOC-133, ECO-07 और BRL-113 के सत्रीय कार्य एक साथ भेज रहें हैं ।

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो जून 2026 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2026 तक जमा करवाना होगा।
2. वे छात्र जो दिसम्बर 2026 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2026 तक जमा करवायें।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**ई. सी. ओ. -07**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	सांख्यिकी के तत्व
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**ई. सी. ओ. -07/टी. एम. ए./ 2026**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आर्थिक विश्लेषण में सांख्यिकी के क्षेत्र एवं महत्व की व्याख्या कीजिए। सांख्यिकीय विधियों की सीमाओं पर चर्चा कीजिए तथा यह स्पष्ट कीजिए कि सांख्यिकी के दुरुपयोग से किस प्रकार भ्रामक निष्कर्ष निकल सकते हैं। (5+5+5)

2. सांख्यिकीय आँकड़ों के संग्रह की विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए। प्राथमिक एवं द्वितीयक आँकड़ों का विश्वसनीयता, उपयुक्तता तथा स्रोतों के संदर्भ में समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। (15)

3. केन्द्रीय प्रवृत्ति के मापों की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। अंकगणितीय माध्य, माध्यिका तथा बहुलक की तुलना कीजिए तथा उन परिस्थितियों पर चर्चा कीजिए जिनमें प्रत्येक माप अधिक उपयुक्त होता है। (15)

4. सहसंबंध एवं प्रतिगमन की अवधारणा पर चर्चा कीजिए। सहसंबंध मापने की विभिन्न विधियों की व्याख्या कीजिए तथा आर्थिक निर्णय-निर्माण में प्रतिगमन विश्लेषण के महत्व का विश्लेषण कीजिए। (5+10)

5. आवृत्ति वितरण के निर्माण का वर्णन कीजिए। उपयुक्त उदाहरणों सहित वर्ग-अंतराल तथा वर्ग-सीमाओं की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। (10)

6. समय श्रृंखला की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। समय श्रृंखला के घटकों पर चर्चा कीजिए तथा आर्थिक पूर्वानुमान में उनके महत्व को स्पष्ट कीजिए। (10)

7. **निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणीयाँ लिखिए :** (4X5)

   (क) चतुर्थक विचलन

   (ख) सूचकांक संख्याएँ

   (ग) प्रकीर्णन के निरपेक्ष माप

   (घ) आँकड़ा संग्रह की जनगणना विधि